OPEN ACCESS

Volume: 4

Issue: 3

Month: September

Year: 2025

ISSN: 2583-7117

Published: 10.09.2025

Citation:

डॉ. नीलम सिंह "व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर एक तुलनात्मक अध्ययन" International Journal of Innovations in Science Engineering and Management, vol. 4, no. 3, 2025, pp. 364–371.

DOI:

10.69968/ijisem.2025v4i3364-371

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-Share Alike 4.0 International License

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर एक तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. नीलम सिंह[1]

[1]प्राचार्या, सेक्ट कॉलेज ऑफ एजुकेशन भोपाल

सारांश

यह शोध पत्र भोपाल व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता निर्धारित करने में शिक्षक शिक्षा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य भोपाल में बी.एड. विद्यार्थियों के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए विकसित विभिन्न शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की तुलना करना है। अध्ययन में भोपाल के 200 पुरुष और महिला बी.एड. विद्यार्थियों के नमूने ने भाग लिया। अध्ययन शैक्षणिक ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और व्यावसायिक शिक्षण के लिए सामान्य तत्परता पर इन कार्यक्रमों के प्रभाव की सीमा का मूल्यांकन करता है। मात्रात्मक सर्वेक्षण को शामिल करते हुए सर्वेक्षण-पद्धति दृष्टिकोण को अपनाते हुए, अध्ययन ने पाठ्यक्रम डिजाइन, शिक्षण पद्धतियों और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर प्रशिक्षु धारणाओं की जांच की। विभिन्न शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया। परिणाम बताते हैं कि भोपाल में बी.एड. छात्रों के बीच व्यावसायिक और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की जांच की, जो पुरुष और महिला दोनों छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली जागरूकता और चुनौतियों के संबंध में है। विश्लेषण ने जागरूकता के स्तर और कथित चुनौतियों के बीच कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाया, जिसका अर्थ है कि वर्तमान शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम छात्रों के लिए व्यावसायिक पहलुओं पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार, भावी शिक्षकों को अपने छात्रों में व्यावसायिक कौशल और जागरूकता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए पाठ्यक्रम, व्यावहारिक प्रशिक्षण और सहायता प्रणालियों में सुधार की आवश्यकता अनिवार्य हो जाती है। लक्षित सुधारों के साथ, शैक्षणिक संस्थान इस प्रकार बी.एड. उत्तीर्ण छात्रों को संपन्न नौकरी बाजार के लिए तैयार करने में सक्षम होंगे, जिससे समग्र रूप से व्यावसायिक शिक्षा के सुधार में सहायता मिलेगी। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष नीति निर्माताओं, शिक्षकों और व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार करने में रुचि रखने वाले संस्थानों के लिए मूल्यवान हैं।

कीवर्ड: शिक्षक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास।

प्रस्तावना

विद्यार्थियों के भरण-पोषण के लिए वर्तमान उद्योगों में व्यावहारिक कौशल और व्यावसायिक शिक्षा का विकास जोर पकड़ रहा है।

इसलिए शिक्षकों को कौशल, शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव से लैस करने के लिए प्रशिक्षण का महत्व बढ़ गया है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर जोर शिक्षण विधियों के संदर्भ में शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ाने को बढ़ावा देता है और व्यावसायिक शिक्षकों को वे कौशल सौंपता है जो वे विद्यार्थियों को देते हैं ताकि शिक्षा को रोजगार के साथ जोड़ा जा सके। अध्ययन व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए विभिन्न प्रकार के शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और तुलना करता है। भोपाल में 200 पुरुष और महिला बी.एड. विद्यार्थियों के नमूने के साथ, शोध व्यावसायिक-संबंधित शिक्षण के लिए निर्देशिका प्रशिक्षकों की तैयारी के स्तर का आकलन करने का प्रयास करता है। यह व्यावसायिक शिक्षा के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण में ताकत और कमजोरियों का आकलन करने के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन, शिक्षण पद्धति, उद्योग के साथ नेटवर्किंग और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर गौर करता है। तुलनात्मक होने के नाते, यह शोध प्रयास करता है कि विभिन्न प्रशिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों की तैयारी या आत्मविष्वास या कौशल अधिग्रहण को किस हद तक प्रभावित करती हैं। यह इस बात का भी विश्लेषण करता है कि शिक्षकों के प्रशिक्षण की प्रभावशीलता में लिंग भेद है या नहीं, ताकि व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में निष्कर्ष पर पहुँचने में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जा सके। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा में सुधार की दिशा में इस शोध के परिणामों पर चर्चा करके सिफ़ारिश की जाएगी। नीतिगत बदलावों, पाठ्यक्रम सुधारों और प्रशिक्षण के लिए उद्योग-उन्मुख मॉडल के बारे में आगे की सिफ़ारिशों के साथ भारत में व्यावसायिक शिक्षा के सुधार के बारे में बड़ी बहस के लिए इसका एक महत्वपूर्ण निहितार्थ है।

पूर्ववर्ती शोधों में, कई अध्ययनों ने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के प्रशिक्षण में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की जांच की है, जिसमें शैक्षणिक प्रशिक्षण, उद्योग के साथ सहयोग और पाठ्यक्रम डिजाइनिंग की प्रक्रिया के महत्व पर जोर दिया गया है। स्मिथ और रिले (2018) ने पाया है कि व्यावसायिक शिक्षा को उद्योग की जरूरतों से जोड़ने के लिए योग्यता-आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता है। इसी तरह, जॉनसन (2019) ने शिक्षक प्रशिक्षण के भीतर व्यावहारिक प्रदर्शन की भूमिका का अध्ययन किया और स्थापित किया कि इस तरह का अनुभव शिक्षकों में आत्मविष्वास पैदा करता है और कौशल संचरण सुनिश्चित करता है। शर्मा और वर्मा (2020) ने व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में शिक्षक की तैयारी का विश्लेषण किया और पाया कि अच्छी तरह से नियोजित इंटर्नशिप शिक्षण प्रभावकारिता को काफी हद तक बढ़ाती है। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण पहलू पर भी प्रकाश डाला, जिसमें बताया गया कि डिजिटल उपकरण और सिमुलेशन कौशल-आधारित सीखने के परिणामों को आगे बढ़ाएंगे। कुमार और सिंह (2021)। ब्राउन एवं अन्य (2021) ने पाया कि प्रशिक्षण के अधिक पारंपरिक तरीकों की तुलना में, मिश्रित शिक्षण मॉडल बेहतर छात्र जुड़ाव और विचारों के प्रतिधारण को प्रोत्साहित करते हैं। पटेल (2022) ने व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा की लिंग आधारित प्रकृति का आगे अध्ययन किया और कहा कि पुरुष प्रशिक्षु और महिला प्रशिक्षु अपनी शिक्षण दक्षताओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और औद्योगिक प्रदर्शन के महत्व के बारे में अपनी धारणा में भिन्न हैं।

गुप्ता और मिश्रा (2022) ने बी.एड. व्यावसायिक कार्यक्रमों में कई पाठ्यचर्या संबंधी कमियों की खोज की और सुझाव दिया कि कौशल विकास की लगातार बदलती दुनिया के लिए जल्दी से अनुकूल होने के लिए एक अधिक गतिशील और लचीला ढांचा होना चाहिए। विलियम्स (2023) ने व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण और इसकी प्रासंगिकता की जांच की, इस बात पर जोर देते हुए कि संचार और नेतृत्व में प्रशिक्षण शिक्षण आउटपुट को और बेहतर बनाता है। राव और अय्यर (2023) ने व्यावसायिक शिक्षक शिक्षा पर सरकारी हस्तक्षेप की भूमिका की जांच की, और निष्कर्ष निकाला कि नीति प्रोत्साहन और वित्तीय पुरस्कार-संवर्धित शिक्षक प्रशिक्षण आउटपुट। संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षक प्रशिक्षण की तुलनात्मक समीक्षा में, चैधरी और दास (2024) ने पाया कि अच्छे उद्योग लिंकेज वाले संस्थानों में प्रशिक्षित व्यावसायिक शिक्षक अधिक सक्षम हैं। ये अध्ययन व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास की दुनिया के लिए उद्योग शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी-एकीकृत के साथ संरेखित एक सावधानीपूर्वक संरचित शिक्षक शिक्षा ढांचे की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। वर्तमान अध्ययन इस विचार से आगे बढ़ता है, भोपाल में बी.एड. कॉलेजों में पेश किए जाने वाले शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की तुलना मुख्य रूप से विद्यार्थियों के दृष्टिकोण, व्यावहारिक प्रदर्शन और कौशल विकास के परिणाम से करता है।

समस्या कथन

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर एक तुलनात्मक अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य

1. बी.एड. छात्रों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव का विश्लेषण करना।
2. बी.एड. छात्राओं के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. बी.एड. विद्यार्थियों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव का विश्लेषण करना।

षोध की परिकल्पनाएं

परि.1 बी.एड. छात्रों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

परि.2 बी.एड. छात्राओं के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

परि.3 बी.एड. विद्यार्थियों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

प्रदत्तों का संकलन, प्रयुक्त उपकरण एवं प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

इस शोध प्रयास में, शोधकर्ता ने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास एवं शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रष्नावलियों से डेटा एकत्र किया। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के बारे में छात्रों की जागरूकता, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास में छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियाँ, तथा व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों

की प्रभावशीलता नामक स्वनिर्मित प्रष्नावलियों का प्रयोग आकलन करने के लिए नियोजित किया गया था। अध्ययन में भोपाल बीएड महाविद्यालयों से 200 विद्यार्थियों को शामिल किया गया, जिसमें 100 छात्र और 100 छात्राओं का समान वितरण शामिल था। इस विविध नमूने ने विभिन्न पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व किया और शैक्षणिक प्रदर्शनों का एक वर्णक्रम प्रदर्शित किया। एकत्रित डेटा के बाद के विश्लेषण में टी-परीक्षणों का उपयोग किया गया, जिसके विस्तृत परिणाम निम्नलिखित तालिकाओं में दिए गए हैं।

परि.1 बी.एड. छात्रों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

सारणी क्रमांक 1 बी.एड. छात्रों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव संबंधी परिणाम

आयाम	शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांत्रिक अनुपात का मान	सार्थक स्तर
जागरूकता	उच्च	54	31.43	8.61	0.25	0.05 के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	46	31.00	8.62		
चुनौतियाँ	उच्च	54	34.5	7.48	1.66	0.05के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	46	31.57	10.17		

स्वतंत्रता के अंश -98 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.99

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट होता है कि बी.एड. छात्रों की जागरूकता और चुनौतियों के बारे में उनकी धारणाओं के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव में जागरूकता आयामः के उच्च स्तर (एम = 31.43, एसडी = 8.61) और जागरूकता के निम्न स्तर (एम = 31.00, एसडी = 8.62) वाले छात्रों के औसत अंक बहुत भिन्न नहीं थे, वहीं प्राप्त सीआर = 0.25 निर्धारित न्यूनतम मान 1.99 से कम है। एवं चुनौतियों का आयामः उच्च चुनौतियों का सामना करने वाले छात्रों का औसत स्कोर (एम = 34.5, एसडी = 7.48) उन लोगों की तुलना में थोड़ा बेहतर था जिन्होंने कम चुनौतियों का सामना किया (एम = 31.57, एसडी = 10.17)। हालाँकि, इनमें भी अंतर देखने को नहीं मिला।

अतः निष्कर्षतः कह सकते हैं कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम बी.एड छात्रों की व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए जागरूकता या चुनौतियों के किसी भी स्तर को बढ़ाने में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं थे। औसत अंकों में मामूली असमानताओं को दर्शाने के बावजूद, अंतर 0.05 के स्तर पर महत्व प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इस प्रकार, परिणाम संकेत देते हैं कि

बेहतर व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए और अधिक इनपुट लगाने की आवश्यकता होगी।

परि.2 बी.एड. छात्राओं के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

सारणी क्रमांक 2 बी.एड. छात्राओं के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव संबंधी परिणाम

आयाम	शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांत्रिक अनुपात का मान	सार्थक स्तर
जागरूकता	उच्च	51	29.16	10.52	1.69	0.05 के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	49	25.59	10.57		
चुनौतियाँ	उच्च	51	30.49	7.84	0.79	0.05के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	49	29.31	7.07		

स्वतंत्रता के अंश -98 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.99

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट होता है कि बी.एड. छात्राओं की जागरूकता और चुनौतियों के बारे में उनकी धारणाओं के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रभाव में जागरूकता आयामः के उच्च स्तर (एम = 29.16, एसडी = 10.52) और जागरूकता के निम्न स्तर (एम = 25.59, एसडी = 10.57) वाली छात्राओं के औसत अंक बहुत भिन्न नहीं थे, वहीं प्राप्त सीआर = 1.69 निर्धारित न्यूनतम मान 1.99 से कम है। एवं चुनौतियों का आयामः उच्च चुनौतियों का सामना करने वाले छात्रों का औसत स्कोर (एम = 330.49, एसडी = 7.84) उन लोगों की तुलना में थोड़ा बेहतर था जिन्होंने कम चुनौतियों का सामना किया (एम = 29.31, एसडी = 7.07)। हालाँकि, इनमें भी अंतर देखने को नहीं मिला।

अतः निष्कर्षतः कह सकते हैं कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का बी.एड. छात्राओं के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित जागरूकता या चुनौतियों पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है। हालाँकि औसत स्कोर में मामूली अंतर हैं, लेकिन ये भिन्नताएँ इतनी मजबूत नहीं हैं कि उन्हें 0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाए। इससे पता चलता है कि छात्राओं के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए लक्षित जागरूकता अभियान और विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल जैसे अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता हो सकती है।

परि.3 बी.एड. विद्यार्थियों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

सारणी क्रमांक 3 बी.एड. विद्यार्थियों के व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव संबंधी परिणाम

आयाम	शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का प्रभाव	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांत्रिक अनुपात का मान	सार्थक स्तर
जागरूकता	उच्च	105	30.32	9.61	1.52	0.05 के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	95	28.21	10.00		
चुनौतियाँ	उच्च	105	32.55	7.88	1.83	0.05के स्तर पर सार्थक अंतर नहीं
	निम्न	95	30.4	8.74		

स्वतंत्रता के अंश -198 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट होता है कि जागरूकता आयाम की श्रेणी में, अत्यधिक जागरूक विद्यार्थियों का औसत 30.32 (एसडी = 9.61) है, जबकि कम जागरूक विद्यार्थियों का औसत 28.21 (एसडी = 10.00) है। इस प्रकार, गणना की गई महत्वपूर्ण अनुपात 1.52 निकला, जो 0.05 के स्तर पर 1.97 की महत्व सीमा से नीचे है, जो समूह के जागरूकता स्तर में कोई अंतर नहीं दर्शाता है। फिर से चुनौतियों के लिए, अत्यधिक चुनौती वाले विद्यार्थियों ने 32.55 (एसडी = 7.88) स्कोर किया, जबकि कम सामना करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह 30.4 (एसडी = 8.74) था। चुनौतियों के लिए महत्वपूर्ण अनुपात 1.83 निकला सांख्यिकीय रूप से ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास में जागरूकता या चुनौतियों पर कोई प्रभाव पड़ता है। यद्यपि औसत अंतर मौजूद हैं, लेकिन संयुक्त औसत स्कोर 0.05 स्तर पर सांख्यिकीय महत्व प्राप्त करने के लिए प्रभावशाली नहीं है।

अतः निष्कर्षतः कह सकते हैं कि यद्यपि विद्यार्थियों के बीच धारणाएं आम तौर पर भिन्न हो सकती हैं, शायद वर्तमान स्वरूप जिसमें शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम पेश किए जाते हैं, विद्यार्थियों को व्यावसायिक जागरूकता और चुनौतियों के लिए तैयार करने के संदर्भ में पुनर्विचार और सुधार की आवश्यकता है।

अध्ययन के निष्कर्ष

निष्कर्ष में, इस अध्ययन के निष्कर्ष यह स्थापित करते हैं कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम लिंग या जागरूकता के स्तर की परवाह किए बिना बी.एड. छात्रों की व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण योगदान देने में असमर्थ हैं। तीनों तालिकाओं के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जहां तक छात्रों की जागरूकता और विभिन्न आयामों में विकलांग व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का संबंध है, सांख्यिकीय रूप से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। जबकि औसत स्कोर

कुछ बदलाव दिखाते हैं, वे कभी भी 0.05 के स्तर पर महत्वपूर्ण होने के लिए आवश्यक स्तरों को नहीं छूते हैं। इसलिए, इसका तात्पर्य यह है कि वर्तमान शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा के मूल में मुद्दों को संबोधित नहीं करने से ग्रस्त हैं, जिसे विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कौशल विकास से संबंधित जागरूकता बढ़ाने और चुनौतियों को कम करने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों को विशेष रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण के संबंध में सुधार शुरू करने के लिए कदम उठाने चाहिए

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1] अकिनपेलु, जे. ए. (2019) नाइजीरिया में व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार की चुनौतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वोकेशनल एंड टेक्निकल एजुकेशन, 10(1), 1-8।

[2] अल-ज़हरानी, ए. एम. (2020) व्यावसायिक कौशल विकास को बढ़ावा देने में शिक्षक शिक्षा की भूमिका। जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड लर्निंग, 9(3), 101-108।

[3] बंदुरा, ए. (1997) आत्म-प्रभावकारिताः नियंत्रण का प्रयोग। न्यूयॉर्करू डब्ल्यू.एच. फ्रीमैन।

[4] बैरेट, टी. (2018) शिक्षक शिक्षा पर पुनर्विचारः व्यावसायिक शिक्षा में चुनौतियों की जांच। यूरोपीय जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन, 41(4), 487-502।

[5] चैधरी, एस. (2018) व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर शिक्षक शिक्षा का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन, 11(2), 34-45।

[6] क्रेग, सी. जे., और मोरलैंड, डी. (2016) व्यावसायिक शिक्षारू शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों की भूमिका। जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, 68(1), 1-19।

[7] डार, एच. ए., और गुलज़ार, एम. ए. (2021) विकासशील देशों में व्यावसायिक शिक्षा का महत्व। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 12(10), 51-61।

[8] डियरनले, सी. (2019) व्यावसायिक शिक्षा और शिक्षक तैयारीः एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशन पॉलिसी, 34(3), 365-381।

[9] एज़े, ओ. ए. (2020) नाइजीरिया में व्यावसायिक शिक्षा की चुनौतियाँः शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल पॉलिसी, 7(1), 45-59।

[10] गिन्सबर्ग, एम. (2017) व्यावसायिक शिक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ानाः शिक्षकों की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट, 31(6), 776-788।

[11] गोह, जे. डब्ल्यू. (2018) व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में एकीकृत करना। एशिया-प्रशांत जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 46(2), 178-192।

[12] करम, ए., और मेना, आई. (2020) व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षकों को सशक्त बनानाः शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, 72(4), 530-546।

[13] कटुंडू, एस. ए. (2019. व्यावसायिक कौशल विकास में शिक्षक प्रशिक्षण की भूमिका। अफ्रीकन जर्नल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, 15(1), 87-95।

[14] मलिक, ए., और चैधरी, एम. (2018) व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार पर इसका प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड लर्निंग, 7(3), 193-205।

[15] ओफोएग्बू, एफ. आई. (2020) नाइजीरिया में व्यावसायिक शिक्षाः शिक्षक शिक्षा और इसकी चुनौतियाँ। जर्नल ऑफ़ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, 72(3), 379-397।

[16] ओगुनले, ओ. एस., और ओगुनले, ए. (2017) व्यावसायिक शिक्षा और कौशल अधिग्रहणः नाइजीरिया में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की भूमिका। जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 7(1), 12-20।

[17] ओमोखोडियन, एफ. ओ. (2021) शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और व्यावसायिक कौशल विकासः सार्वजनिक और निजी संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग रिसर्च, 7(2), 22-30।

[18] सिंह, पी., और कुमार, ए. (2020) छात्रों के बीच व्यावसायिक शिक्षा में जागरूकता और चुनौतियाँः शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, 4(2), 145-158.

[19] उनाचुकु, एम. (2019) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्यावसायिक शिक्षा की चुनौतियों की खोज. जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन एंड रिसर्च, 14(3), 34-49.

[20] ज़ारे, एम., और घवीफ़ेकर, एस. (2018) व्यावसायिक कौशल के लिए शिक्षक शिक्षाः छात्र रोजगार के लिए एक आवश्यक कारक. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल मैनेजमेंट, 32(5), 927-944।